Gyansindhu Competition Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share &

यूपी बोर्ड परीक्षा 2023

कक्षा -12 (सामान्य हिंदी)

केवल प्रश्नपत्र

समय : 3 घंटे 15 मिनट पूर्णांक – 100

निर्देश : (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं।

(iii) दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक है।

खण्ड-क

(क) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' द्वारा सम्पादित पत्रिका है:

(i) 'आनन्द कादम्बिनी' (ii) 'दिनमान'

(iii) साप्ताहिक हिन्दुस्तान' (iv) 'आजकल'

(ख) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के लेखक हैं :

(i) रामकुमार वर्मा (ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) बालकृष्ण भट्ट (iv) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(ग) 'अशोक के फूल' निबन्ध के लेखक हैं:

(i) रामचन्द्र शुक्ल (ii) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(iii) विद्यानिवास मिश्र (iv) रामविलास शर्मा

(घ) 'प्रेमचन्द' की कहानी का नाम है :

(i) 'कफन' (ii) 'गुंडा'

(iii) 'रोज' (iv) 'चीफ़ की दावत'

(ङ) 'विद्यानिवास मिश्र' निबन्धकार हैं:

(i) ललित निबन्ध के

(ii) विचारात्मक निबन्ध के

(iii) मनोवैज्ञानिक निबन्ध के

(iv) भावनात्मक निबन्ध के

2.(क) 'पृथ्वीराज रासो' का रचनाकाल है :

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe)

(i) वीरगाथा काल (ii) रीति काल

(iii) भक्ति काल (iv) आधुनिक काल

(ख) 'ज्ञानाश्रयी शाखा' के प्रमुख कवि हैं

(i) तुलसीदास (ii) कबीरदास

(iii) सूरदास (iv) जायसी

(ग) 'कामायनी' के प्रथम सर्ग का नाम है :

(i) 'चिन्ता' (ii) 'आशा'

(iii) 'श्रद्धा' (iv) 'इड़ा'

(घ) सुमित्रानन्दन पन्त सुकुमार कवि हैं :

(i) प्रकृति के (ii) शृंगार के

(iii) ज्ञान के (iv)भक्ति के

(ङ) 'राम की शक्ति पूजा' कविता के रचयिता हैं :

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) मैथिलीशरण गुप्त

(iii) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (iv) 'अज्ञेय'

3.दिए गए गद्यांशों पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

माता अपने सब पुत्रों को समान भाव से चाहती है। इसी प्रकार पृथ्वी पर बसने वाले जन बराबर हैं। उनमें ऊँच और नीच का भाव नहीं है। जो मातृभूमि के उदय के साथ जुड़ा हुआ है, वह समान अधिकार का भागी है। पृथ्वी पर निवास करने वाले जनों का विस्तार अनन्त है-नगर और जनपद, पुर और गाँव, जंगल और पर्वत नाना प्रकार के जनों से भरे हुए। हैं। ये जन अनेक प्रकार की भाषाएँ बोलने वाले और अनेक धर्मों के मानने वाले हैं, फिर भी ये मातृभूमि के पुत्र हैं।

(क) पुत्र को समान भाव से कौन रखती है?

(ख) समान अधिकार का भागी कौन है ?

(ग) पृथ्वी पर किसका विस्तार अनन्त है ?

(घ) 'अनन्त' और 'जनपद' शब्द का अर्थ लिखिए।

(ङ) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Competition Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share &

अथवा

रवीन्द्रनाथ ने इस भारतवर्ष को महामानव समुद्र कहा है। विचित्र देश है वह ! असुर आये, आर्य ने आये, शक आये, हूण आये, नाग आये, यक्ष आये, गन्धर्व आये, न जाने कितनी मानव जातियाँ यहाँ आयी और आज के भारतवर्ष को बनाने में अपना हाथ लगा गयी। जिसे हम हिन्दू रीति नीति कहते हैं 'वे अनेक आर्य और आर्येतर उपादानों का अद्भुत मिश्रण हैं।'

(क) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ख) रवीन्द्रनाथ ने किसे महामानव समुद्र कहा है ?

(ग) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(घ) भारतवर्ष के निर्माण में किन-किन का सहयोग रहा है ?

(ङ) आर्य, शक, हूण कहाँ आये ?

4. दिए गए पद्यांशों पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हे जगजीवन के कर्णधार
चिर जनम-मरण के आर-पार
शाश्वत जीवन नौका विहार
मैं भूल गया अस्तित्व ज्ञान
जीवन का यह शाश्वत प्रमाण
करता मुझको अमरत्व दान

(क) कविता का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए

(ख) रेखांकित अंश का भावार्थ लिखिए।

(ग) 'कर्णधार' तथा 'शाश्वत' शब्द का अर्थ लिखिए।

(घ) किस अदृश्य सत्ता की ओर पन्त जी का संकेत है ?

(ङ) 'जगजीवन के कर्णधार का आशय स्पष्ट कीजिए।

अथवा

मुझे फूल मत मारो,
मैं अबला बाला वियोगिनी, कुछ तो दया विचारो ।

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe)

होकर मधु के मीत मदन, पटु, तुम कटु गरल न गारो,

मुझे विकलता, तुम्हें विफलता, ठहरो, श्रम परिहारो।

नहीं भोगिनी यह मैं कोई, जो तुम जाल पसारो

बल हो तो सिन्दूर-बिन्दु यह-यह हरनेत्र निहारो!

(क) कविता का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

(ख) इस कविता का सम्बन्ध 'साकेत' के किस सर्ग से है ?

(ग) 'मदन' तथा 'गरल' शब्द का अर्थ लिखिए।

(घ) इस कविता में वर्णित वेदना का सम्बन्ध किस पात्र से है ?

(ङ) रेखांकित अंश का भावार्थ लिखिए।

5.(क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी किन्हीं दो

प्रमुख कृतियों के नाम लिखिए (शब्द-सीमा अधिकतम 80 शब्द) :

(i) हरिशंकर परसाई

(ii) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(iii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए: (शब्द-सीमा अधिकतम 80 शब्द)

(i) जयशंकर प्रसाद

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

6. 'बहादुर' अथवा 'ध्रुवयात्रा' कहानी की कथावस्तु का सार लिखिए। (शब्द-सीमा अधिकतम 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। (शब्द सीमा अधिकतम 80 शब्द)

(क) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के कथानक पर प्रकाश डालिए । अथवा

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(ख) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कुंती का चरित्र चित्रण कीजिए. अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए।

(ग) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए। अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्रांकन कीजिए।

(घ) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए। अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ङ) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र चित्रण कीजिए |

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

(च) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए। अथवा

हर्षवर्द्धन का चरित्र चित्रण कीजिए।

खण्ड-ख

8.(क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरपञ्च सुनिश्चितम् । तस्य गद्ये- पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते । किंबहुना चरित्रनिर्माणर्थं यादृशी सत्प्रेरणा संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशीम् किञ्चिदन्यत् । मूलभूतानाम् मानवीयगुणानाम् यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते नान्यत्र तादृशी |

अथवा

महामना विद्वान् वक्ता धार्मिको नेता, पटुः पत्रकारश्चासीत् । परमस्य सर्वोच्चगुणः जनसेवैव आसीत्। यत्र कुत्रापि अयं जनान् दुःखितान् पीड्यमानांश्चापश्यत् तत्रैव सः शीघ्रमेव उपस्थितः सर्वविधम् साहाय्यञ्च अकरोत् । प्राणिसेवा अस्य स्वभाव एवासीत् ।

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Competition Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share &

(ख) दिए गए श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

सुखार्थिनः कुंतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम्
सुखार्थी व त्यजेद् विद्या विद्यार्थी व त्यजेद् सुखम् ।।

अथवा

विरलविरलाः स्थूलास्ताराः कलाविव सज्जनाः
मन इव मुनेः सर्वत्रैव प्रसन्नम भून्नभः ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

(क) अपना उल्लू सीधा करना ।

(ख) उल्टी गंगा बहाना।

(ग) गूलर का फूल होना

(घ) अधजल गगरी छलकत जाय।

10.(क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'हिमालयः' का संधि-विच्छेद है :

(अ) हिम + आलयः (ब) हिमा + लयः

(स) हि + मालयः (द) हिमो + लयः

(ii)'कवीन्द्रः' का संधि-विच्छेद है।

(अ) कवि + इन्द्रः (ब) कवी + इन्द्रः

(स) क + वीन्द्रः (द) कवीन्द्र + अः

(iii) 'नयनम्' का संधि-विच्छेद है

(अ) न+इनम् (ब) ने + अनम्

(स) नय + नम् (द) नी + अनम्

(ख)दिए गए निम्नलिखित शब्दों का 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार चयन कीजिए :

(i)'आत्मने' में विभक्ति और वचन है :

(अ) चतुर्थी विभक्ति एकवचन

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe)

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

(ब) पंचमी विभक्ति, द्विवचन

(स) तृतीया विभक्ति एकवचन

(द) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(ii) 'राज्ञा' में विभक्ति एवं वचन है :

(अ) तृतीया विभक्ति एकवचन

(ब) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन

(स) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन

(द) षष्ठी विभक्ति एकवचन

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों के सही अर्थ का चयन करके लिखिए :

(i)वसन-व्यसन

(अ) विवस और व्याकुल

(स) कवच और भोजन

(ब) वस्त्र और आदत

(द) विस्तार और अबाध

(ii) स्वर्ण-सवर्ण

(अ) सोना और अच्छा रंग

(स) सोना और चाँदी

(ब) सुनार और सोना

(द) सोना और उच्च जाति

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए :

(i)काल (ii) अलि

(iii) शिव

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का सही चयन करके लिखिए :

(i) अनुकरण करने योग्य

(अ) अनुकरणीय (ब) अमर

(स) अजर (द) अक्षय

Gyansindhu Competition Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share &

(ii) जानने की इच्छा रखने वाला :

(अ) जानकार (स) ज्ञानी

(ब) जिज्ञासु (द) जिज्ञासा

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

(i) पुत्री पराया धन होता है।

(ii) लक्ष्मीबाई वीर महिला थी।

(iii) मैं भोजन कर लिया हूँ।

(iv) प्राचार्य ने हस्ताक्षर कर दिया।

12. (क) 'वियोग शृंगार' अथवा 'करुण रस' का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए।

(ख) 'उपमा' अथवा 'यमक' अलङ्कार की परिभाषा लिखते हुए एक उदाहरण लिखिए।

(ग) 'दोहा' अथवा 'सोरठा' छन्द का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए।

13. अपने नगर में प्रदूषण से उत्पन्न स्थिति का वर्णन करते हुए उचित अधिकारी को एक आवेदन पत्र लिखिए। अथवा

छात्रावास/विद्यालय की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए :

(क) प्रदूषण की समस्या और समाधान

(ख) पर्यावरण संतुलन में वृक्षारोपण का महत्त्व

(ग) आधुनिक शिक्षा पद्धति की दिशा और दशा

(घ) साहित्य में लोक कल्याण की भावना

(ङ) वर्तमान समाज में नारी सशक्तिकरण का स्वरूप

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe)